ज्ञान शांति मैत्री

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय

Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

(A Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)

नैक द्वारा 'A' ग्रेड प्राप्त Accredited with 'A' Grade by NAAC

प्रो. आनन्द पाटील
कुलसचिव (कार्यवाहक)
Prof. Anand Patil
Registrar (Acting)

दूरभाष/Phone : +91-7152-230902

पत्रांक : 56 / 2022–23 / रा.से.यो. / 56 / 02
दिनांक : 17.09.2024

सूचना

विश्वविद्यालय के समस्त शैक्षणिक, गैर–शैक्षणिक कर्मियों, शोधार्थियों, विद्यार्थियों को सूचित किया जाता है कि भारत सरकार के **'स्वच्छता ही सेवा–2024 अभियान'** के अंतर्गत विश्वविद्यालय में आज दिनांक 17 सितंबर, 2024 को अपराह्न 05:00 बजे **कस्तूरबा सभागार** में स्वच्छता की शपथ दिलायी जायेगी।

विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केंद्र इस शपथ ग्रहण कार्यक्रम में निम्नलिखित लिंक के माध्यम से जुडेंगे।

लिंक : https://meet.google.com/qpg-sity-gvn

इसे सक्षम प्राधिकारी के अनुमोदन से निर्गत किया जाता है।

17/09/2024
(प्रो. आनन्द पाटील)

प्रति (ई–मेल द्वारा) : **समस्त शैक्षणिक, गैर–शैक्षणिक कर्मी** ।

प्रतिलिपि (ई–मेल द्वारा) :

1. कुलपति कार्यालय
2. कुलानुशासक
3. अधिष्ठाता, विद्यार्थी कल्याण
4. समन्वयक राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम
5. राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी
6. प्रभारी 'लीला' को वेबसाइट पर अपलोड करने हेतु
7. संबंधित पत्रावली

स्वच्छता शपथ

महात्मा गांधी ने जिस भारत का सपना देखा था उसमें सिर्फ़ राजनैतिक आज़ादी ही नहीं थी, बल्कि एक स्वच्छ एवं विकसित देश की कल्पना भी थी।

महात्मा गांधी ने गुलामी की जंजीरों को तोड़कर माँ भारती को आज़ाद कराया।

अब हमारा कर्तव्य है कि गंदगी को दूर करके भारत माता की सेवा करें।

मैं शपथ लेता हूँ कि मैं स्वयं स्वच्छता के प्रति सजग रहूँगा और उसके लिए समय दूंगा।

हर वर्ष 100 घंटे यानी हर सप्ताह 2 घंटे श्रमदान करके स्वच्छता के इस संकल्प को चरितार्थ करूँगा।

मैं न गंदगी करूँगा न किसी और को करने दूंगा।

सबसे पहले मैं स्वयं से, मेरे परिवार से, मेरे मुहल्ले से, मेरे गाँव से एवं मेरे कार्यस्थल से शुरुआत करूँगा।

मैं यह मानता हूँ कि दुनिया के जो भी देश स्वच्छ दिखते हैं उसका कारण यह है कि वहां के नागरिक गंदगी नहीं करते और न ही होने देते हैं।

इस विचार के साथ मैं गांव-गांव और गली-गली स्वच्छ भारत मिशन का प्रचार करूंगा।

मैं आज जो शपथ ले रहा हूँ, वह अन्य 100 व्यक्तियों से भी करवाऊँगा। वे भी मेरी तरह स्वच्छता के लिए 100 घंटे दें, इसके लिए प्रयास करूंगा।

मुझे मालूम है कि स्वच्छता की तरफ बढ़ाया गया मेरा एक कदम पूरे भारत देश को स्वच्छ बनाने में मदद करेगा।